Roll No. : .....

Total No. of Questions : **12**] [Total No. of Printed Pages : **4**

APF–2015

M.A. (Final) Examination, 2022

RAJASTHANI

Paper - IV (ii)

(मीरांबाई)

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

(सगळा सवालां रा उत्तर राजस्थानी में ई देवणा है।)

खण्ड–अ **(अंक : 2 × 10 = 20)**

नोट :– सगळा **दस** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरेक सवाल वास्ते **2** अंक अर **50** सबदां मांय देवणां है।

खण्ड–ब **(अंक : 8 × 5 = 40)**

नोट :– सात सवालां मांय सूं किणी **पांच** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **200** सबद अर **8** अंक राखीज्या है।

खण्ड–स **(अंक : 20 × 2 = 40)**

नोट :– चार सवालां मांय सूं कोई **दोय** सवालां रा पडूत्तर दिरावो। हरैक सवाल वास्ते **500** सबद अर **20** अंक राखीज्या है।

खण्ड–अ

1. सगळां सवालां रा पडूत्तर देवो (सबद सीमा **50** सबद) :

(i) मीरां रो जलम कठै हुयो ?

(ii) मीरां रा आराध्य देव कुण हा ?

(iii) मीरां रै काव्य माथै किण-किण भासावां रो प्रभाव रैयो ?

(iv) 'मीरां पदावली' पोथी रा संपादक कुण है ?

(v) मीरां नैं विद्रोह रा भाव राखण वाळी कवयित्री क्यूं कैइजै ?

(vi) 'बसो मेरे नैनन में नंदलाल' मांय मीरां कृष्ण रै किसै रूप नैं आपरी आंख्यां मांय बसावणो चावै ?

(vii) मीरां री रचनावां रो नांव बताओ।

(viii) मीरां किणरी पोती ही ?

(ix) मीरां आपरै जीवन रो आखरी बगत कठै बितायो ?

(x) मीरां रा गुरु कुण हा ?

खण्ड–ब

नोट :– नीचै लिख्यां सात सवालां मांय सूं कोई **पांच** सवालां रा पडूत्तर देवो : (सबद सीमा **200** सबद)।

2. माई री ! मैं तो लियो गोविन्दो मोल।

कोई कहै छानै, कोई कहै चौड़े, लियो री बजंतां ढोल।

कोई कहै मुंहघो, कोई कहै सुंहघो, लियोरी तराजू तोल।

कोई कहै कारो, कोई कहै गोरो, लियो री अमोलिक मोल।

याही कूं सब लोग जाणत है, लियो री आंखी खोल।

मीरां कूं प्रभु दरसण दीज्यो, पूरब जनम को कोल॥

3. हेली म्हांसूं हरि बिन रह्यो न जाय।

सास लड़ै मेरी ननद खिजावै, राणां रह्यो रिसाय।

पहरो भी राख्यो चौकी बिठार्‌यो, ताला दियो जुड़ाय।

पूर्व जनम की प्रीत पुराणी, सो क्यूं छोड़ी जाय।

मीरां के प्रभु गिरधर नागर, और न आवे म्हारी दाय॥

4. हरि! तुम हरो जन की भीर।

द्रोपदी की लाज राखी, तुम बढ़ायो चीर।

भक्त कारण रूप नरहरि, धर्‌यो आप सरीर।

हिरनकश्यप मार लीनो, धर्‌यो नाहिन धीर।

बूडते गज ग्राह मार्‌यो, कियो बाहर नीर।

दासी मीरां लाल गिरधर, दुख जहां तहां पीर॥

5. आओ मनमोहना जी! जोऊं थारी बाट।

खान-पान मोहि नेक न भावै, नैण न लगे कपाट।

तुम आयां बिन सुख नहिं मेरे, दिन में बहोत उचार।

मीरां कहे मैं भई राव री, छांडो नाहिं निराट॥

6. जोगी मत जा, मत जा, मत जा, पांइ परूं मैं तेरे हो।

प्रेम-भगति रो पैंडो ही न्यारो, हमको गैल बता जा।

अगर-चंदण री चिता बणाऊँ, अपणै हाथ जला जा।

जल-बल भई भसम की ढेरी, अपणै अंग लगा जा।

मीरां कहै प्रभु गिरधरनागर, जोत में जोत मिला जा॥

7. मीरांबाई रा पद नारी चेतना रा प्रतीक कियां मानीजै ?

8. मीरांबाई रै बगत रो सामाजिक वातावरण किण भांत रो हो ?

खण्ड–स

नोट :– नीचै लिख्योड़ां चार सवालां मांय सूं कोई **दो** सवालां रा पडूत्तर देवो (सबद सीमा **500** सबद) :

9. मीरांबाई री जीवन जातरा रो वरणन करो।

10. मीरां रै काव्य रो कला पख अर भाव पख उदाहरण सागै बताओ।

11. मीरां रै काव्य में लोक चेतना नैं स्पष्ट करो।

12. मीरां रै पदां में लोक विस्वास रा भाव किण रूप में मिलै ? उदाहरण देय'र बताओ।